संख्या– 744
09/07/2013

# कई सालों से उत्कृष्ट संग्रहालय का जो सपना संजोये हुये था, उसके साकार होने का मार्ग आज प्रशस्त हो गया है :– मुख्यमंत्री

पटना, 9 जुलाई 2013 :– कई सालों से उत्कृष्ट संग्रहालय का जो सपना संजोये हुये था, उसके साकार होने का मार्ग आज प्रशस्त हो गया है। स्थानीय जवाहर लाल नेहरू मार्ग, (बेली रोड) पर बनने वाले आधुनिक बिहार संग्रहालय का शिलान्यास एवं कार्य आरम्भ करने के बाद एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने यह उद्‌गार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने कहा कि संग्रहालय के शिलान्यास समारोह में उपस्थित होकर उन्हें बेहद खुशी हो रही है। जिनलोगों को भी इतिहास, संस्कृति और विरासत में रूचि है, वे पटना संग्रहालय के बारे में जानते है। पटना संग्रहालय में जो प्रदर्श रखे गये हैं, उससे ज्यादा प्रदर्श को प्रदर्शित करने के लिए जगह सुलभ नहीं है। इस समृद्ध संग्रहालय में स्थान की कमी है। ऐतिहासिक प्रदर्श को प्रदर्शित करने का आधुनिक तरीका नहीं अपनाया जा रहा है। कौन सा प्रदर्श किस काल के हैं और उसकी क्या महत्ता है, वह भी लिखकर नहीं रखी गई है। आधुनिक तरीके में प्रदर्श के बारे में पूरी जानकारी दी जाती है ताकि लोगों को प्रदर्श को देखने के बाद प्रदर्श के महत्त्व और उससे जुड़े तमाम इतिहास की जानकारी लोगों को मिल जाती है। लोगों की उत्सुकता प्राचीन धरोहरों को देखने और उसके बारे में अधिक से अधिक जानकारी लेने में बढ़ जाती है। पटना संग्रहालय में बेशकीमती सामग्रियॉ रखी हुई है, इसके बारे में कोई बताने वाला भी नहीं है। पटना संग्रहालय और पटना के आसपास जितने प्रदर्श हैं, उनको रखने के लिए पटना में सुसज्जित आधुनिक खुबसूरत बिहार संग्रहालय बनाने का निर्णय लिया गया। जिनको थोड़ी भी इतिहास में दिलचस्पी है, वे यहॉ जरूर आना पसंद करेंगे। बिहार संग्रहालय के निर्माण के लिए केन्द्र से सहायता की अधियाचना नही की है बल्कि अपने संसाधनों से ही बिहार संग्रहालय को बनाकर इसमें प्राचीन धरोहरों को रखेंगे। अपने गौरवपूर्ण इतिहास से देश दुनिया को अवगत करायेंगे। बिहार का इतिहास मानव सम्यता का इतिहास है। भारत के बड़े भू–भाग का इतिहास है। पटना का यह आधुनिक बिहार संग्रहालय अन्तर्राष्ट्रीय मानक पर स्थापित संग्रहालय होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार संग्रहालय के लिए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर निविदा निकाली गई और अन्तर्राष्ट्रीय मानकों को इसमें जोड़ा गया। अन्तर्राष्ट्रीय प्रक्रिया को अपनाकर कन्सलटेंट का चयन किया गया। विद्वानों, इतिहासकारों के साथ अनेक बैठकें हुई। इतिहासकारों, विद्वानों के परामर्श से संग्रहालय का खाका तैयार किया गया। इमारत ऐसी बने जो हर दृष्टि से सुन्दर हो, इसका ख्याल रखा गया। अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लोग निविदा के निर्धारण में शामिल हुये। हर प्रकार की सुविधा मानक के अनुसार हो। माकी एसोसियेट जापान का चयन हुआ। लॉर्ड कलवर रिर्सोस के लोगों के साथ भी बैठके हुई। कार्य करने के लिए एजेंसी का चयन किया गया। नामी कपंनी एल0 एण्ड टी0 को कार्य करने के लिए चयनित किया गया है। एल0 एण्ड टी0 के उपाध्यक्ष श्री हरिश टण्डन ने आश्वासन दिया है कि वे समय के अन्दर काम पूरा करेंगे। बिहार संग्रहालय के उद्‌घाटन की तिथि भी निर्धारित कर दी गई है। 22 मार्च 2015 को बिहार दिवस के दिन इस संग्रहालय का उद्‌घाटन होगा। संग्रहालय का निर्माण लगभग साढ़े पॉच सौ करोड़ की लागत पर पूरा होगा। पॉच सरकारी भवनों को तोड़कर उस स्थान पर संग्रहालय भवन बनाने का निर्णय लिया गया है। इस संग्रहालय में रखे जाने वाले प्रदर्श और काम करने वाले कर्मियों का चयन पहले से ही कर लिया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सूबे के बच्चे, नई पीढ़ी के लोग यहाँ आयेंगे, जो यहॉ एक बार आयेगा, वह बार–बार यहॉ आना चाहेगा। उन्होंने कहा कि बिना समन्वय के भवनों का निर्माण पहले होता था लेकिन यह भवन पूरी तरह से समन्वय के साथ निर्माण होगा। इसमें पूरी तरह से आधुनिक

तकनीक का उपयोग कर इसे सम्पूर्ण संग्रहालय का रूप दिया जायेगा। हमारा अतीत गौरवशाली और समृद्ध रहा है। हम अपने गौरवशाली अतीत को सुन्दर ढ़ंग से इस संग्रहालय में प्रदर्शित कर रखेंगे। पटना संग्रहालय को भी सुन्दर और आकर्षक ढ़ंग से व्यवस्थित एवं संरक्षित किया जायेगा। इसका स्वरूप और भव्य हो इसके प्रयास किया जायेगा। उन्होंने कहा कि बिहार संग्रहालय का अपना फाइनेंसियल स्ट्रक्चर होगा जिससे यह संग्रहालय अपने पैरो पर खड़ा होगा।

मुख्यमंत्री ने भवन निर्माण विभाग को निर्देश दिया कि जो काम आज प्रारंभ हुआ है उसे निरंतर जारी रखा जाय और यह कार्य उस समय तक पूरे जोर–शोर से चालू रहे जब तक भवन निर्माण का कार्य पूरी तरह से पूरा न हो जाय। उन्होंने इस अवसर पर भवन निर्माण सचिव श्री चंचल कुमार की प्रशंसा करते हुआ कहा कि वे उनसे एक दशक से अधिक समय से जुड़े हुये हैं, वे हमारी रूचि से परिचित हैं। भवन निर्माण विभाग एवं कला संस्कृति विभाग को ठीक ढ़ंग से चलाने के लिए उन्हें भवन निर्माण विभाग में भेजा गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में अनेकों हस्ताक्षर भवन बन रहे हैं। गॉधी मैदान के निकट 5 हजार क्षमता वाला एक कन्वेंशन सेन्टर, सभ्यता द्वार बनेगा। यह कन्वेंशन सेन्टर आधुनिक सुविधाओं से लैश होगा। यहॉ पर फूड कोर्ट एवं अन्य सुविधायें सुलभ होगी। राजगीर में अन्तर्राष्ट्रीय समागम केन्द्र बना है। आधुनिक पुलिस भवन, विधायक आवास एवं सचिवालय भवन के साथ अनेक हस्ताक्षर भवन बनाये जा रहे हैं। मेरी गहरी दिलचस्पी पुरातत्व, इतिहास एवं गौरवमयी इतिहास को जानने में रही है। बिहार संग्रहालय को बनाने के लिए एल0 एण्ड टी0 को 20 माह का समय दिया गया है। एल0 एण्ड टी0 अपने वचन को निभायेंगे, ऐसा मुझे भरोसा है। पूरे मानक के अनुसार भवन बने, जो भी इसे देखे वाह–वाह कहने को विवश हो जाये।

भवन निर्माण मंत्री श्री दामोदर राउत ने समारोह की अध्यक्षता की और भवन निर्माण विभाग की उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उद्योग मंत्री श्रीमती रेणु कुशवाहा ने कहा कि बिहार में कार्यशैली बदली है, अब शिलान्यासपट्ट लगाकर छोड़े नहीं जाते बल्कि शिलान्यास के दिन से ही काम प्रारंभ होता है और पूरी गुणवत्ता से काम पूरे किये जाते है। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

भवन निर्माण सचिव श्री चचंल कुमार ने स्वागत भाषण करते हुये कहा कि बिहार संग्रहालय भवन के निर्माण पर 530 करोड़ रूपये की अनुमानित राशि व्यय होगी। इस भवन के निर्माण में पूरी तरह से आधुनिक तकनीकी का उपयोग किया जायेगा। 2.75 लाख स्क्वायर फीट (13.5 एकड़) भूमि में संग्रहालय का निर्माण होगा। निर्माण के लिए एल0 एण्ड टी0 कंपनी का चयन हुआ है और उनके माध्यम से निर्माण कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि 1917 में पटना संग्रहालय बना था, अनोखी विशिष्टताओं के साथ नये संग्रहालय भवन का निर्माण पूरा कर इसमें ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित रखा जायेगा। उन्होंने इस अवसर पर मुख्यमंत्री को प्रतीक चिह्न एवं फाइकस का वृक्ष भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर लॉर्ड कन्सलटेंट, माकी एसोसियेट और एल0 एण्ड टी0 के अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्री शाहिद अली खॉ, उपाध्यक्ष राज्य योजना आयोग श्री हरि किशोर सिंह, मुख्यमंत्री के कृषि सलहाकार डॉ0 मंगला राय, विधायक डॉ0 इजहार अहमद, महापौर श्री अफजल इमाम, पूर्व विधान पार्षद यथा– श्री संजय झा, श्री असलम आजाद, श्री राम वचन राय, श्री शिव प्रसन्न यादव, पूर्व मंत्री श्री करूणेश्वर सिंह, अध्यक्ष मदरसा बोर्ड श्री मुमताज आलम, सामाजिक कार्यकर्ता यथा– श्री अता करीम, श्री नन्द किशोर कुशवाहा, श्री गोविन्द कनोडिया सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

******